FICCI CASCADE

4th Edition
Anti-Smuggling Day, 2025

11th February 2025, Tuesday | New Delhi

the pioneer

Centre enhancing focus on inter-agency coordination to eliminate smuggling

PIONEER NEWS SERVICE
NEW DELHI

The Directorate of Revenue Intelligence has taken the lead to establish an anti-smuggling coordination platform so that all agencies come forward and share relevant information and work towards eliminating smuggling activities and catching the real culprits.

"There are various challenges that law enforcement agencies face in tackling smuggling including going after the criminal syndicates or the key persons who are financing such illegal operations; it is not enough to just catch the carrier. To put a big dent into the smuggling network, we need to have enough data, skill sets and tools to analyse the data and intelligence coordination," said Mohan Kumar Singh, member (compliance management), Central Board of Indirect Taxes and Customs on the occasion of FICCI CASCADE's 'Anti-Smuggling Day' on Tuesday.

Mohan Kumar Singh, member (compliance management), Central Board of Indirect Taxes and Customs on FICCI CASCADE's 'Anti-Smuggling Day'

Talking about the importance of inter-agency cooperation, Singh said it is important to focus on operational readiness and coordination among agencies to tackle cross border smuggling. "Also, recognition by the United Nations of this anti-smuggling day will create more international awareness on the issue, thereby contributing to the efforts in stemming this malaise," said Singh.

Highlighting the colossal nature of the problem of smuggling in the context of a rising Bharat, Anil Rajput, Chairman, FICCI CASCADE, said, "Along with the government and enforcement agencies it is critical that the consumers increasingly come forward and play their part in the battle against smuggling and illicit trade.

It is critical that the dissemination of information and exposure to facts related to smuggling is extended to the children and the youth. Additionally, I cannot overemphasise the importance of using advanced technology to counter smuggling and its offshoots. I am confident that the coming together of all these elements will lead to an effective and sustained response against this formidable adversary."

Pankaj Kumar Singh, Former Deputy National Security Advisor, Government of India said there are now new models of smuggling that involves technology such as the usage of drones that enables the creation of huge margins for these illegal activities.

millenniumpost
NO HALF TRUTH

'Government enhancing focus on inter-agency coordination to tackle & eliminate smuggling'

NEW DELHI: Mohan Kumar Singh, Member (Compliance Management),CBIC on the occasion of FICCI CASCADE's 'Anti-Smuggling Day' said, "There are various challenges that law enforcement agencies face in tackling smuggling including going after the criminal syndicates or the key persons who are financing such illegal operations; it is not enough to just catch the carrier. To put a big dent into the smuggling network, we need to have enough data, skill sets and tools to analyse the data and intelligence coordination. The Directorate of Revenue Intelligence has taken the lead to establish an anti-smuggling coordination platform so that all agencies come forward and share relevant information and work towards eliminating smuggling activities and catching the real culprits."

'It is critical that dissemination of information & exposure to facts related to smuggling is extended to children & the youth'

Talking about the importance of inter-agency cooperation, Singh said, "We need to upgrade the use of technology in effectively combatting smuggling. It is important to focus on operational readiness and coordination among agencies to tackle cross border smuggling. Also, recognition by the UN of this anti-smuggling day will create more international awareness on the issue, thereby contributing to the efforts in stemming this malaise."

Anil Rajput, Chairman, FICCI CASCADE, said, "Along with the government and enforcement agencies it is critical that the consumers increasingly come forward and play their part in the battle against smuggling and illicit trade. It is critical that the dissemination of information and exposure to facts related to smuggling is extended to the children and the youth. Additionally, I cannot overemphasize the importance of using advanced technology to counter smuggling and its offshoots. I am confident that the coming together of all these elements will lead to an effective and sustained response against this formidable adversary."

During the programme, FICCI CASCADE also highlighted the 2023-24 DRI Smuggling in India report that stated the government seized more than 8000 kgs of narcotic drugs and psychotropic substances, apart from other contraband items in huge quantities. While the seizure rates have gone up considerably, it is only the tip of the iceberg. MPOST

अमर उजाला
जोश! सच का!

फिक्की के चौथे एंटी-स्मगलिंग डे समारोह का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) कैसकेड ने मंगलवार को राजधानी में चौथा एंटी-स्मगलिंग डे समारोह का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य स्मग्लिंग के खिलाफ एकजुट होने और समस्या को समझने के लिए विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाना रहा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में फिक्की कैसकेड के अध्यक्ष अनिल राजपूत ने स्मगलिंग के बढ़ते खतरों पर प्रकाश डाला और इसके खिलाफ एकजुट होने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके बाद ब्रेकिंद द स्मगलिंग चेन विषय पर एक पैनल चर्चा हुई। इसमें वक्ताओं ने स्मगलिंग के खिलाफ सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देने की बात कही। इस सत्र में उपराष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पंकज कुमार सिंह, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के सदस्य मोहन कुमार सिंह व एनडीआरएफ और इंडो-तिब्बती सीमा पुलिस के पूर्व निदेशक जनरल आरके पचनंदा ने हिस्सा लिया।

इसके बाद एक और पैनल चर्चा हुई, जिसमें वक्ताओं ने स्मगलिंग के खिलाफ एकीकृत प्रयासों पर चर्चा की। इस सत्र में केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो के महानिदेशक अमित मोहन गोविल, दिल्ली कस्टम्स के आयुक्त वशिष्ठ चौधरी और असम राइफल्स के कर्नल (ओप्स एंड कोऑर्ड) कर्नल दीपांकर दास ने हिस्सा लिया। फिक्की कैसकेड के अध्यक्ष अनिल राजपूत ने अपने समापन भाषण में स्मगलिंग के

समारोह में मौजूद अतिथि। अमर उजाला

खिलाफ एकजुट होने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस सत्र में राजस्व खुफिया निदेशालय के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक बृज भूषण गुप्ता ने भी अपने विचार साझा किए। इस दौरान डिजिटल आर्ट प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। निर्णायक मंडल में पूर्व मुख्य न्यायाधीश व दिल्ली के पूर्व लोकायुक्त न्यायमूर्ति मनमोहन सारिन, अनुसंधान और विश्लेषण विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख संजीव त्रिपाठी और भारत सरकार में कानून और न्याय मंत्रालय के पूर्व सचिव कानून पीके मल्होत्रा शामिल रहे।

तस्करी से निपटना एक बड़ी चुनौती: उद्घाटन सत्र के दौरान केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के सदस्य (अनुपालन प्रबंधन) मोहन कुमार सिंह ने कहा कि तस्करी की समस्या से निपटना कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती है। आपराधिक सिंडिकेट समेत ऐसी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना भी चुनौती है। उन्होंने कहा कि नेटवर्क में बड़ी सेंध लगाने के लिए खुफिया तंत्र के बीच समन्वय की जरूरत है।

पंजाब केसरी

तस्करी से निपटने के लिए एजेंसियों के बीच समन्वय पर ध्यान दे रही है सरकार

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : केंद्रीयअप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के सदस्य (अनुपालन प्रबंधन) मोहन कुमारसिंह ने फिक्की कास्केड के 'तस्करी विरोधी दिवस" (एंटी-स्मगलिंग डे) के अवसर पर कहा, 'तस्करी की समस्या से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को कई चुनौतियों कासामना करना पड़ता है। आपराधिक सिंडिकेट या ऐसी अवैध गतिविधियों को वित्त पोषित करनेवाले प्रमुख लोगोंके खिलाफ कार्रवाई करना ऐसी ही चुनौती है। इस मामले में केवल बीच के कुछ लोगों को पकड़नाही पर्याप्त नहीं है। तस्करी के नेटवर्क में बड़ी सेंध लगाने के लिए हमारे पास पर्याप्तडाटा होने, ऐसे डाटा के विश्लेषण के लिए कौशल एवं टूल्स होने और खुफिया तंत्र के बीच समन्वय की जरूरत है। राजस्वखुफिया निदेशालय ने एक तस्करी विरोधी समन्वय मंच स्थापित करने का बीड़ा उठाया हैताकि सभी एजेंसियां आगे आएं, प्रासंगिक जानकारियां साझा करें और तस्करी की गतिविधियोंको खत्म करने एवं वास्तविक अपराधियों को पकड़ने की दिशा में काम करें।"

एजेंसियों के बीच सहयोगके महत्व पर बात करते हुए सिंह ने कहा कि हमें तस्करी से प्रभावी ढंग से निपटनेके लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता है। सीमा पार से होने वाली तस्करीसे निपटने के लिए एजेंसियों के बीच परिचालन तत्परता और समन्वय पर ध्यान देना जरूरीहै। तेजी से विकास करते भारतके संदर्भ में तस्करी की व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए फिक्की कास्केड के चेयरमैन अनिल राजपूत ने कहा, 'सरकार और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ-साथ यह महत्वपूर्णहै कि उपभोक्ता भी आगे आएं और तस्करी एवं अवैध व्यापार के खिलाफ लड़ाई में अपनीभूमिका निभाएं।

राजस्थान पत्रिका

तस्करी से निपटने के लिए एजेंसियों के बीच समन्वय पर ध्यान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के सदस्य (अनुपालन प्रबंधन) मोहन कुमार सिंह ने फिक्की कास्केड के 'तस्करी विरोधी दिवस' (एंटी-स्मगलिंग डे) के अवसर पर कहा, 'तस्करी की समस्या से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आपराधिक सिंडिकेट या ऐसी अवैध गतिविधियों को वित्तपोषित करने वाले प्रमुख लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना ऐसी ही चुनौती है। इस मामले में केवल बीच के कुछ लोगों को पकड़ना ही पर्याप्त नहीं है। तस्करी के नेटवर्क में बड़ी सेंध लगाने के लिए हमारे पास पर्याप्त डाटा होने, ऐसे डाटा के विश्लेषण के लिए कौशल एवं टूल्स होने और खुफिया तंत्र के बीच समन्वय की जरूरत है। फिक्की कास्केड के चेयरमैन अनिल राजपूत ने कहा, 'सरकार और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ-साथ यह महत्वपूर्ण है कि उपभोक्ता भी आगे आएं और तस्करी एवं अवैध व्यापार के खिलाफ लड़ाई में अपनी भूमिका निभाएं।

दैनिक भास्कर

अवैध कारोबार पर अंकुश के लिए तस्करी विरोधी समन्वय मंच : सिंह

तस्करी के लिए ड्रोन का उपयोग बढ़ा

नई दिल्ली| 'तस्करी विरोधी दिवस' पर फिक्की कास्केड के कार्यक्रम में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड सदस्य मोहन कुमार सिंह ने कहा कि तस्करी की समस्या से निपटने के लिए पर्याप्त डेटा, डेटा विश्लेषण के लिए टूल और खुफिया तंत्र के बीच समन्वय की जरूरत है। यह देखते हुए राजस्व खुफिया निदेशालय ने तस्करी विरोधी समन्वय मंच स्थापित किया है, ताकि सभी एजेंसियां जानकारी साझा करने के साथ तस्करी को खत्म करने की दिशा में काम करें।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के तस्करी विरोधी दिवस को मान्यता से इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय जागरूकता पैदा होगी।

फिक्की कास्केड के चेयरमैन अनिल राजपूत ने कहा कि उपभोक्ता भी तस्करी एवं अवैध व्यापार के खिलाफ लड़ाई में भूमिका निभाएं। सभी पक्षों के साथ आने से तस्करी के खिलाफ प्रभावी कदम उठाना संभव होगा। पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पंकज कुमार सिंह ने कहा कि में ड्रोन के उपयोग समेत नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं, इससे अवैध गतिविधियों का मार्जिन बढ़ा है।

वीर अर्जुन

तस्करी से निपटने में कई चुनौतियों का करना पड़ता है सामना: मोहन

नई दिल्ली,(वीअ)। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के सदस्य (अनुपालन प्रबंधन) मोहन कुमार सिंह ने फिक्की कास्केड के 'तस्करी विरोधी दिवस' (एंटी-स्मगलिंग डे) के अवसर पर कहा कि तस्करी की समस्या से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आपराधिक सिंडिकेट या ऐसी अवैध गतिविधियों को वित्तपोषित करने वाले प्रमुख लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना ऐसी ही चुनौती है। इस मामले में केवल बीच के कुछ लोगों को पकड़ना ही पर्याप्त नहीं है। तस्करी के नेटवर्क में बड़ी सेंध लगाने के लिए हमारे पास पर्याप्त डाटा होने, ऐसे डाटा के विश्लेषण के लिए कौशल एवं टूल्स होने और खुफिया तंत्र के बीच समन्वय की जरूरत है। राजस्व खुफिया निदेशालय ने एक तस्करी विरोधी समन्वय मंच स्थापित करने का बीड़ा उठाया है ताकि सभी एजेंसियां आगेआएं, प्रासंगिक जानकारियां साझा करें और तस्करी की गतिविधियों को खत्म करने एवं वास्तविक अपराधियों को पकड़ने की दिशा में काम करें।

एजेंसियों के बीच सहयोग के महत्व पर बात करते हुए श्री सिंह ने कहा कि हमें तस्करी से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता है। सीमा पार से होने वाली तस्करी से निपटने के लिए एजेंसियों के बीच परिचालन तत्परता और समन्वय पर ध्यान देना जरूरी है। साथ ही, संयुक्त

राष्ट्र द्वारा इस तस्करी विरोधी दिवस को मान्यता देने से इस मुद्दे को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक जागरूकता पैदा होगी, जिससे इस समस्या को रोकने के प्रयासों में योगदान मिलेगा।' तेजी से विकास करते भारत के संदर्भ में तस्करी की व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए फिक्की कास्केड के चेयरमैन श्री अनिल राजपूत ने कहा, 'सरकारऔर प्रवर्तन एजेंसियों के साथ-साथ यह महत्वपूर्ण है कि उपभोक्ता भी आगे आएं और तस्करी एवं अवैध व्यापार के खिलाफ लड़ाई में अपनी भूमिका निभाएं। यह महत्वपूर्ण है कि तस्करी से संबंधित जानकारियों का प्रसार हो और इससे जुड़े तथ्यों को बच्चों एवं युवाओं तक पहुंचाया जाए। इसके अतिरिक्त, मैं तस्करी और इससे जुड़ी गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए सिर्फ उन्नत प्रौद्योगिकी के उपयोग पर अधिक जोर नहीं दे सकता।

हिन्दुस्तान

'तस्करी से निपटने को ठोस कदम जरूरी'

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के सदस्य (अनुपालन प्रबंधन) मोहन कुमार सिंह ने फिक्की कास्केड के 'तस्करी विरोधी दिवस' के अवसर पर कहा, 'तस्करी की समस्या से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आपराधिक सिंडिकेट या ऐसी अवैध गतिविधियों को वित्तपोषित करने वाले प्रमुख लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना ऐसी ही चुनौती है। उन्होंने कहा कि इस मामले में केवल बीच के कुछ लोगों को पकड़ना ही पर्याप्त नहीं है। तस्करी के नेटवर्क में बड़ी सेंध लगाने के लिए हमारे पास पर्याप्त डाटा होने, ऐसे डाटा के विश्लेषण के लिए कौशल एवं टूल्स होने और खुफिया तंत्र के बीच समन्वय की जरूरत है। राजस्व खुफिया निदेशालय ने एक तस्करी विरोधी समन्वय मंच स्थापित करने का बीड़ा उठाया है ताकि सभी एजेंसियां आगे आएं, प्रासंगिक जानकारियां साझा करें और तस्करी की गतिविधियों को खत्म करने एवं वास्तविक अपराधियों को पकड़ने की दिशा में काम करें।'

THE TIMES OF INDIA

Need synergy between tech, human intelligence to curb smuggling: Former Dy NSA

PTI / Updated: Feb 12, 2025, 23:06 IST

SHARE AA

New Delhi, A synergy between technology and human intelligence is needed to check smuggling of weapons and narcotic drugs into the country, former Deputy National Security Advisor Pankaj Kumar Singh said on Tuesday. He also said that enforcement agencies are scanning the "dark net" to get leads on those involved in illegal trade of narco substances, he said.

"Today a lot of drugs and weapons are being traded on the dark net... Law enforcement agencies are looking at dark net for all this information so that these people can be caught... Technology will have to be adopted but at the end of it, the creative part, the human part will have to be there. Technology plus human intelligence that's the way out (to catch smugglers)," Singh said at the Anti Smuggling Day event organised by Ficci CASCADE here.

According to the Smuggling in India Report released by the Directorate of Revenue Intelligence (DRI) in December last year, DRI officers seized about 8,224 kg of contraband in the 2023-24 fiscal worth Rs 2,242 crore, with the seizure of cocaine seeing an increase over the past five years.

During the 2023-24 financial year, DRI seized 1,319 kg of gold and smuggling through India's porous eastern borders, particularly with Bangladesh and Myanmar, has also emerged as a major concern for law enforcement agencies.

https://timesofindia.indiatimes.com/india/need-synergy-between-tech-human-intelligence-to-curb-smuggling-former-dy-nsa/articleshow/118187087.cms

THE WEEK

Need synergy between tech human intelligence to curb smuggling former Dy NSA

PTI | Updated: February 11, 2025 21:36 IST

New Delhi, Feb 11 (PTI) A synergy between technology and human intelligence is needed to check smuggling of weapons and narcotic drugs into the country, former Deputy National Security Advisor Pankaj Kumar Singh said on Tuesday.

He also said that enforcement agencies are scanning the "dark net" to get leads on those involved in illegal trade of narco substances, he said.

"Today a lot of drugs and weapons are being traded on the dark net... Law enforcement agencies are looking at dark net for all this information so that these people can be caught... Technology will have to be adopted but at the end of it, the creative part, the human part will have to be there. Technology plus human intelligence that's the way out (to catch smugglers)," Singh said at the Anti Smuggling Day event organised by Ficci CASCADE here.

https://www.theweek.in/wire-updates/business/2025/02/11/dcm104-biz-ld-smuggling.html

IANS
Wire Service

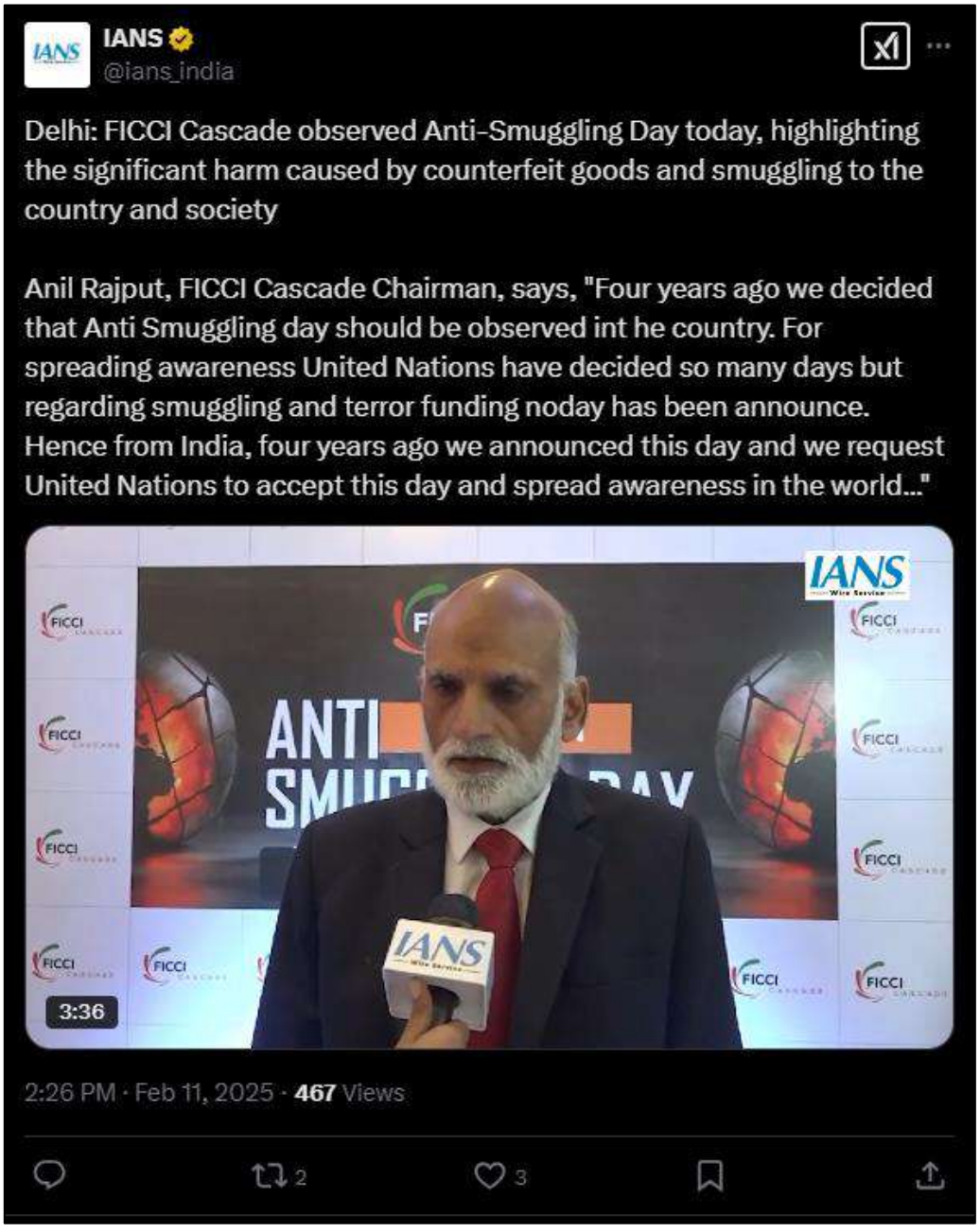

https://x.com/ians_india/status/1889237168771727552?t=SpaO6i5fzIuffvCfhKxaWw&s=08

https://drive.google.com/file/d/16oVgZZl6nyEiwE7VuiW1L3xSFNgo6zLI/view?usp=sharing

https://drive.google.com/file/d/16HZhUVP5Y5a_6LW-bX1RguU5mhrMJWsj/view?usp=sharing

Anti-Smuggling Day: How India Is Dealing With The Menace Of Cross-Border Smuggling

India has witnessed different kinds of smuggling activities from across its borders, through land or sea routes.

Representational Image (ETV Bharat)

By ETV Bharat English Team
Published : Feb 10, 2025, 11:56 PM IST

4 Min Read

New Delhi: India's borders with Pakistan, Bangladesh, Myanmar and Nepal have always been susceptible to smuggling activities. Drugs and narcotics, arms and ammunition, gold, fake currency and other illicit goods flow across the borders into India, putting country's security and economy at risk.

In view of the threat, the Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry (FICCI) Committee Against Smuggling and Counterfeiting Activities Destroying the Economy (CASCADE) jointly observe Anti-Smuggling Day every year on February 11, to raise awareness on menace of cross-border smuggling and its potential impact.

The initiative aims to engage the government agencies as well as the public in the persistent battle against smuggling.

Significance of Anti-Smuggling Day

On this day, seminars, conferences, and awareness campaigns are held by law enforcing agencies to promote global cooperation besides strengthening collaboration between enforcement agencies.

Why Smuggling Is A Major Problem

Smuggling not only poses a threat to India's security but also threatens the Indian economy. Smuggling leads to increased organised crime and continues to be a major challenge for India. Be it smuggling of arms and ammunition or fake currency, terrorist organizations have often exploited vulnerable routes to destabilise India. Add to it the circulation of black money which causes significant revenue loss. Governments worldwide have taken significant measures like strengthening border security, implementing stricter trade regulations, and increasing international cooperation to disrupt criminal networks.

The Challenges India Faces

Over the years, India has witnessed different kinds of smuggling activities from across its borders, through land or sea routes. Major challenge remains across India's border with Pakistan, Bangladesh, Myanmar and Nepal.

NEWS NATION

Do not click unknown links.

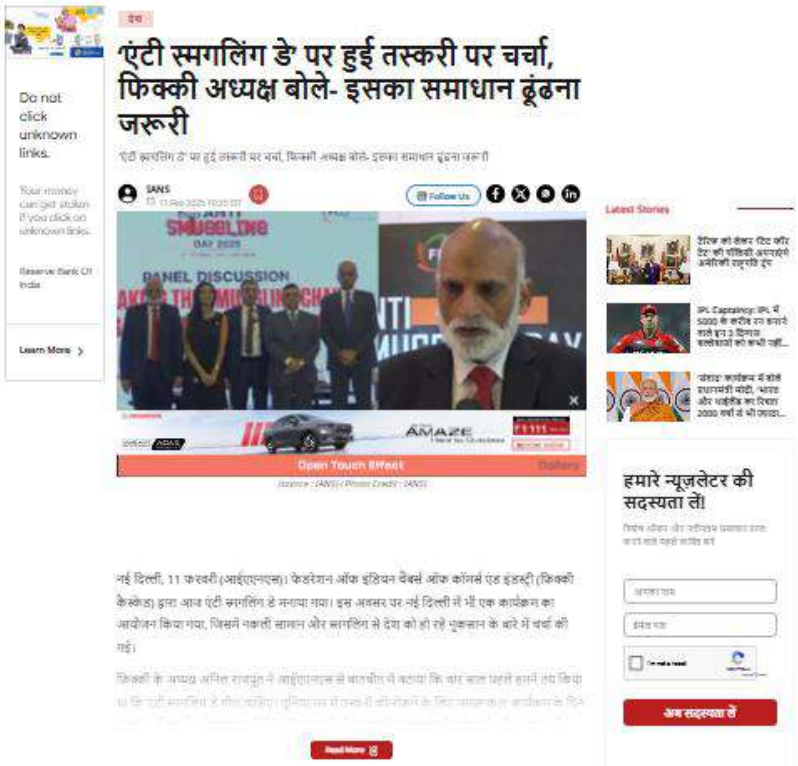

Your money can get stolen if you click on unknown links.

Reserve Bank Of India

Learn More

देश

'एंटी स्मगलिंग डे' पर हुई तस्करी पर चर्चा, फिक्की अध्यक्ष बोले- इसका समाधान ढूंढना जरूरी

'एंटी स्मगलिंग डे' पर हुई तस्करी पर चर्चा, फिक्की अध्यक्ष बोले- इसका समाधान ढूंढना जरूरी

IANS

Follow Us

AMAZE
Open Touch Effect

Source : IANS / Photo Credit : IANS

नई दिल्ली, 11 फरवरी (आईएएनएस)। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की कैस्केड) द्वारा आज एंटी स्मगलिंग डे मनाया गया। इस अवसर पर नई दिल्ली में भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नकली सामान और स्मगलिंग से देश को हो रहे नुकसान के बारे में चर्चा की गई।

फिक्की के अध्यक्ष अनिल राजपूत ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि चार साल पहले हमने तय किया

Read More

Latest Stories

टैरिफ को लेकर ट्विट और टेट की पॉलिसी अपनाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

IPL Captaincy: IPL में 5000 के करीब रन बनाने वाले इन 3 दिग्गज बल्लेबाजों को कभी नहीं...

'संवाद' कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री मोदी, 'भारत और थाईलैंड का रिश्ता 2000 वर्षों से भी ज्यादा...

हमारे न्यूज़लेटर की सदस्यता लें!

आपका नाम

ईमेल पता

अब सदस्यता लें

Anti-Smuggling Day 2025: Date, History, and Significance

Anti-Smuggling Day 2025 marks the global effort to combat smuggling. Find out why this day matters for India's security, economy, and the international battle against illegal trade.

Sumit Arora Published On February 11th, 2025

India's borders with **Pakistan, Bangladesh, Myanmar, and Nepal** have long been susceptible to **smuggling activities**, posing significant risks to the country's **security** and **economy**. The smuggling of **drugs**, **arms and ammunition**, **gold**, **fake currency**, and other illicit goods continues to be a persistent challenge. To raise awareness about the menace of **cross-border smuggling** and its potential impact, the **Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry (FICCI)** Committee Against Smuggling and Counterfeiting Activities Destroying the Economy (**CASCADE**) observes **Anti-Smuggling Day** every year on **February 11**. This day focuses on **engaging government agencies** and the public in the battle against **smuggling**.

Significance of Anti-Smuggling Day

Anti-Smuggling Day serves as an important event to **highlight the impact of smuggling** on national security and the economy. On this day, **seminars**, **conferences**, and **awareness campaigns** are organized by law enforcement agencies to promote **global cooperation** and strengthen the **collaboration between enforcement agencies**. By fostering awareness, the initiative seeks to unite efforts in tackling the ongoing threats posed by **smuggling** and **counterfeiting**.

A Global Call for Cooperation

The observance emphasizes **international collaboration** to disrupt criminal activities. **Smuggling**, which occurs via land, sea, or air routes, requires coordinated action at both **national and global levels** to combat this illegal trade.

Why Smuggling is a Major Problem for India

Smuggling poses a **dual threat** to **India's security** and **economy**. The smuggling of **arms and ammunition** often strengthens the hands of **terrorist organizations**, destabilizing the nation. Similarly, the illegal circulation of **fake currency** leads to a **massive loss in revenue** for the government. Besides **economic destabilization**, the flow of **illicit drugs** fuels **organised crime**, contributing to various social and economic problems.

Security Risks

Countries like **Pakistan**, **Bangladesh**, **Myanmar**, and **Nepal** have long been the origin points for illicit trade flowing into India. These activities compromise national security, increasing the risk of **terrorist operations** and **illegal arms trade**. Smuggling also **undermines law and order** and increases the availability of **dangerous substances** like **drugs**, which often fuel other criminal activities.

Trending News

- Feb Special Days 2025
- Richest Man In The World
- Daily Current Affairs

Monthly Current Affairs

- Current Affairs February 2025
- Current Affairs January 2025
- Current Affairs December 2024
- Current Affairs November 2024
- Current Affairs October 2024
- Current Affairs September 2024
- Current Affairs August 2024
- Current Affairs July 2024
- Current Affairs June 2024
- Current Affairs May 2024

Recent Posts

- One Year Of PM Surya Ghar: A Bright Milestone
- PM Narendra Modi's 2025 Visit To France
- Rajat Patidar Biography: Captain, RCB Team, Age, Career And Highest Score
- RBI Injects ₹2.5 Lakh Crore To Strengthen Banking Liquidity
- In Which Year Was Patna High Court

रॉयल बुलेटिन

एक अखबार – सारा संसार

राष्ट्रीय

‘एंटी स्मगलिंग डे’ पर हुई तस्करी पर चर्चा, फिक्की अध्यक्ष बोले- इसका समाधान ढूंढना जरूरी

By **ROYAL BULLETIN DESK** February 11, 2025

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की कैस्केड) द्वारा आज एंटी स्मगलिंग डे मनाया गया। इस अवसर पर नई दिल्ली में भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नकली सामान और स्मगलिंग से देश को हो रहे नुकसान के बारे में चर्चा की गई।

प्रमोटेड कंटेंट mgid

Get Up To Rs.5,00,000/- Instant Personal Loan @ 11.5% Annually
Prayosha Fincart

तीन बार सेक्स करना चाहते हैं? इसे हर रात इस्तेमाल करें।
Vigoman

वियाग्रा को भूल जाओ! पुरुषों के लिए सबसे अच्छी दवा!
Vigoman

बिना थके घंटों सेक्स करें और बीवी को अत्यधिक सुख का आनंद दें
Vigoman

STAY CONNECTED

74,854 Fans
5,486 Followers
143,143 Subscribers

WhatsApp Join News Group
Follow us on Google News

ताज़ा समाचार

उत्तर प्रदेश
वेलेंटाइन डे : जहां दिखेंगे बाबू-सोना, तोड़ दिया जाएगा शरीर का कोना-कोना, हिंदू संगठन...

गाजियाबाद

Rediff Money

Combating Smuggling: Tech & Human Intel Key - Former Dy NSA

By Rediff Money Desk, New Delhi Feb 11, 2025 21:27

Share on:

Former Dy NSA stresses synergy between technology and human intelligence to curb smuggling of weapons and narcotics, highlighting the use of dark net monitoring and inter-agency coordination.

New Delhi, Feb 11 (PTI) A synergy between technology and human intelligence is needed to check smuggling of weapons and narcotic drugs into the country, former Deputy National Security Advisor Pankaj Kumar Singh said on Tuesday.

He also said that enforcement agencies are scanning the "dark net" to get leads on those involved in illegal trade of narco substances, he said.

"Today a lot of drugs and weapons are being traded on the dark net... Law enforcement agencies are looking at dark net for all this information so that these people can be caught... Technology will have to be adopted but at the end of it, the creative part, the human part will have to be there. Technology plus human intelligence that's the way out (to catch smugglers)," Singh said at the Anti Smuggling Day event organised by Ficci CASCADE here.

According to the Smuggling in India Report released by the Directorate of Revenue Intelligence (DRI) in December last year, DRI officers seized about 8,224 kg of contraband in the 2023-24 fiscal worth Rs 2,242 crore, with the seizure of cocaine seeing an increase over the past five years.

During the 2023-24 financial year, DRI seized 1,319 kg of gold and smuggling through India's porous eastern borders, particularly with Bangladesh and Myanmar, has also emerged as a major concern for law enforcement agencies.

Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC) member Mohan Kumar Singh said the enforcement agencies have been focussing on catching the perpetrators of crime or the person who is financing the crime.

He said the challenges in reaching the actual mastermind are with regard to whether the enforcement agencies have enough data, tools and skill sets to analyse the data and whether there is timely inter-agency coordination.

The CBIC member said DRI has established a 'smuggling coordination platform' for all agencies to share intel regarding smuggling.

"It is sharing of information between agencies in the field and operational coordination between agencies leads us to greater results," the CBIC member added.

Speaking at the event, Anil Rajput, Chairman, FICCI CASCADE, said, along with the government and enforcement agencies it is critical that the consumers increasingly come forward and play their part in the battle against smuggling and illicit trade.

"It is critical that the dissemination of information and exposure to facts related to smuggling is extended to the children and the youth. Additionally, I cannot overemphasize the importance of using advanced technology to counter smuggling and its offshoots...the coming together of all these elements will lead to an effective response against this formidable adversary," Rajput added.

Source: PTI

Read More On:

Tackling Smuggling: The Tech-Intelligence Synergy

Former Deputy National Security Advisor Pankaj Kumar Singh addresses the need for a synergy between technology and human intelligence to combat weapon and narcotic smuggling. He emphasizes the importance of enforcement agencies utilizing the dark net for leads, and the role of inter-agency cooperation and consumer awareness.

Devdiscourse News Desk | New Delhi | Updated: 11-02-2025 21:28 IST | Created: 11-02-2025 21:28 IST

Country: India

SHARE

In a focused call to action, former Deputy National Security Advisor Pankaj Kumar Singh emphasized the necessity of blending technology with human intelligence to effectively counter the smuggling of weapons and narcotics into the country. Speaking at an event marking Anti Smuggling Day, Singh highlighted that law enforcement agencies are increasingly utilizing the dark net to track illegal trade activities.

ADVERTISEMENT

He pointed out that substantial seizures by the Directorate of Revenue Intelligence reveal the scale of the problem, as detailed in their Smuggling in India Report. In the 2023-24 fiscal year alone, significant amounts of contraband, including gold and cocaine, were confiscated, particularly smuggled through India's eastern borders.

PNI

Government enhancing focus on inter-agency coordination to tackle and eliminate smuggling: CBIT&C

PNI Admin 3 days ago

NEW DELHI: Mr. Mohan Kumar Singh, Member (Compliance Management), Central Board of Indirect Taxes and Customs on the occasion of FICCI CASCADE's 'Anti-Smuggling Day' said, "There are various challenges that law enforcement agencies face in tackling smuggling including going after the criminal syndicates or the key persons who are financing such illegal operations; it is not enough to just catch the carrier. To put a big dent into the smuggling network, we need to have enough data, skill sets and tools to analyze the data and intelligence coordination. The Directorate of Revenue Intelligence has taken the lead to establish an anti-smuggling coordination platform so that all agencies come forward and share relevant information and work towards eliminating smuggling activities and catching the real culprits."

Talking about the importance of inter-agency cooperation, Mr. Singh said, "We need to upgrade the use of technology in effectively combatting smuggling. It is important to focus on operational readiness and coordination among agencies to tackle cross border smuggling. Also, recognition by the United Nations of this anti-smuggling day will create more international awareness on the issue, thereby contributing to the efforts in stemming this malaise."

Highlighting the colossal nature of the problem of smuggling in the context of a rising Bharat, Mr. Anil Rajput, Chairman, FICCI CASCADE, said, "Along with the government and enforcement agencies it is critical that the consumers increasingly come forward and play their part in the battle against smuggling and illicit trade. It is critical that the dissemination of information and exposure to facts related to smuggling is extended to the children and the youth. Additionally, I cannot overemphasize the importance of using advanced technology to counter smuggling and its offshoots. I am confident that the coming together of all these elements will lead to an effective and sustained response against this formidable adversary."

Mr. Pankaj Kumar Singh, Former Deputy National Security Advisor, Government of India said, "There are now new models of smuggling that involves technology such as the usage of drones that enables the creation of huge margins for these illegal activities. The message from the government is clear that no smuggling or infiltration is to be permitted. There have been multiple instances of shooting down of drones carrying illegal goods but given the enormous length of our borders, challenges remain."

"There is no dearth of right minded, nationalist and country loving people in this country who are willing to help and law enforcement agencies need to approach them to get relevant information and intelligence. We have made lot of strides in technology adoption by law enforcement agencies such as scouting the dark net to get leads to catch smugglers. Technology combined with human intelligence is the way forward to fight this menace of illicit trade," Mr. Singh added.

Mr. R.K. Pachnanda, Former Director General, National Disaster Response Force (NDRF) and Indo Tibetan Border Police "This is the fourth annual anti-smuggling day and I laud the efforts of FICCI CASCADE towards

देशबन्धु
Influencing Public Opinion Since 1959

'एंटी स्मगलिंग डे' पर हुई तस्करी पर चर्चा, फिक्की अध्यक्ष बोले- इसका समाधान ढूंढना जरूरी

BY देशबन्धु — February 11, 2025 in राष्ट्रीय

0 SHARES 4 VIEWS Share on Facebook Share on Whatsapp

ADVERTISEMENT

ADVERTISEMENT

नई दिल्ली, 11 फरवरी (आईएएनएस)। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की कैस्केड) द्वारा आज एंटी स्मगलिंग डे मनाया गया। इस अवसर पर नई दिल्ली में भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नकली सामान और स्मगलिंग से देश को हो रहे नुकसान के बारे में चर्चा की गई।

READ ALSO
अमृतसर: 250 करोड़ की हेरोइन बरामद
महाकुंभ में दिग्गजों ने लगाई आस्था की डुबकी

फिक्की के अध्यक्ष अनिल राजपूत ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि चार साल पहले हमने तय किया था कि एंटी स्मगलिंग डे होना चाहिए। दुनिया भर में तस्करी को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम के दिन पहले से ही तय हैं। मेरा मानना है कि दुनिया भर के लिए स्मगलिंग बहुत बड़ी समस्या है और इसके जरिए टेरर फंडिंग भी की जा रही है, जो चिंता की बात है।

ADVERTISEMENT

ADVERTISEMENT

उन्होंने कहा, "चार साल पहले यानी 4 फरवरी को भारत में एंटी स्मगलिंग डे मनाने की शुरुआत हुई थी। मेरा संयुक्त राष्ट्र से यही अनुरोध है कि